# North Eastern Railway
# पूर्वोत्तर रेलवे
# Electrical Department
# विद्युत विभाग

The Electrical department over NE Railway is responsible for the Design, drawing, planning, installation, and maintenance of electrical installations and equipments. The working area of Electrical department may be divided into three branches Viz. Rolling Stock, Traction Distribution & General Services.

पूर्वोत्तर रेलवे पर विद्युत विभाग विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के डिजाइन, ड्राइंग, योजना, स्थापना और रखरखाव के लिए जिम्मेदार है। विद्युत विभाग के कार्य क्षेत्र को तीन शाखाओं में विभाजित किया जा सकता है। चल स्टॉक, कर्षण वितरण और सामान्य सेवाएं।

## Organizational Structure

PCEE is the Administrative Head of the Electrical Department, with overall responsibility for efficient working of the department. He is responsible to the General Manager in all the matters pertaining to Electric/Diesel Traction and Electrical General Services. On behalf of the General Manager, he directs and supervises all the electrical works related to Railway, whether executed by Divisional Officer or by independent organization. He oversees the budget of the Electrical Department and is responsible for works to be executed by the department. PCEE also function as Electrical Inspector to the Government as defined in Section 36(1) of Indian Electricity Act- 1910, in respect of all high voltage electrical installations and equipment owned by the Railways.

He is assisted by Chief Electric Locomotive Engineer (CELE), Chief Electrical Distribution Engineer (CEDE), Chief Motive Power Engineer (CMPE) for Diesel Loco Maintenance & operation, Chief Electrical Service Engineer (CESE) & Chief Electrical General Engineer (CEGE) for electrical General Services Works.

In Divisions PCEE is assisted by Sr.DEEs & Sr.DMEs for efficient functioning of Electric and Diesel rolling stock, traction distribution and electrical general services under his direct administrative control. In all technical matters, the Senior Divisional Electrical Engineers (Sr. DEEs) and Senior Divisional Mechanical Engineers (Sr. DMEs shed & opr.) in the Division are answerable to PCEE.

पीसीईई विद्युत विभाग का प्रशासनिक प्रमुख है, जिसके पास विभाग के कुशल कामकाज की समग्र जिम्मेदारी है। वह विद्युत/डीजल कर्षण और विद्युत सामान्य सेवाओं से संबंधित सभी मामलों में महाप्रबंधक के प्रति उत्तरदायी है। महाप्रबंधक की ओर से, वह रेलवे से संबंधित सभी विद्युत कार्यों का निर्देशन और पर्यवेक्षण करता है, चाहे वह मंडल अधिकारी द्वारा निष्पादित हो या स्वतंत्र संगठन द्वारा. वह विद्युत विभाग के बजट की देखरेख करता है और विभाग द्वारा निष्पादित किए जाने वाले कार्यों के लिए जिम्मेदार है। पीसीईई रेलवे के स्वामित्व वाले सभी उच्च वोल्टेज विद्युत प्रतिष्ठानों और उपकरणों के संबंध में भारतीय विद्युत अधिनियम- 1910 की धारा 36(1) में परिभाषित सरकार के विद्युत निरीक्षक के रूप में भी कार्य करता है।

उन्हें डीजल लोको रखरखाव और संचालन के लिए मुख्य विद्युत लोकोमोटिव इंजीनियर (सीईएलई), मुख्य विद्युत वितरण अभियंता (सीईडीई), मुख्य प्रेरक विद्युत अभियंता (सीएमपीई), मुख्य विद्युत सेवा अभियंता (सीईएसई) और मुख्य विद्युत सामान्य अभियंता (सीईजीई) द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। विद्युत सामान्य सेवा

कार्य।डिवीजनों में पीसीईई को उनके प्रत्यक्ष प्रशासनिक नियंत्रण के तहत इलेक्ट्रिक और डीजल रोलिंग स्टॉक, ट्रैक्शन वितरण और इलेक्ट्रिकल सामान्य सेवाओं के कुशल कामकाज के लिए सीनियर डीईई और सीनियर डीएमई द्वारा सहायता प्रदान की जाती है। सभी तकनीकी मामलों में, डिवीजन में वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (वरिष्ठ डीईई) और वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (वरिष्ठ डीएमई शेड और संचालन) पीसीईई के प्रति जवाबदेह हैं।

## Mission

To provide efficient, safe and pollution free rail transport system to accelerate socio-economic growth of nation.

राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए कुशल, सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त रेल परिवहन प्रणाली प्रदान करना।

## Assets

**Traction distribution-** NER has 3101.52 BG route kms spread over the three Divisions Viz. Lucknow, Varanasi and Izzatnagar. The electrified BG RKM is 2008.77 out of 3101.52 BG route kms. There are 20 TSS (132/25KV) for traction supply.

कर्षण वितरण- एनईआर में ३१०१.५२ बीजी मार्ग किलोमीटर है जो तीन मंडलों में फैला हुआ है। लखनऊ, वाराणसी और इज्जतनगर। विद्युतीकृत बीजी आरकेएम 3101.52 बीजी मार्ग किलोमीटर में से 2008.77 है। कर्षण आपूर्ति के लिए 20 टीएसएस (132/25 केवी) हैं।

| SN | Division | BG RKM | Electrified BG RKM |
|---|---|---|---|
| 1 | Lucknow | 922.28 | 539.56 |
| 2 | Varanasi | 1272.33 | 1020.93 |
| 3 | Izzatnagar | 906.91 | 448.28 |
| | **Total** | **3101.52** | **2008.77** |

**LOCO-** NER has one Electric Loco Shed at Gorakhpur, one hybrid (Diesel+Electric) shed at Gonda and one Diesel Loco Shed at Izzatnagar. There is holding of 93 electric Loco and 229 BG diesel Loco over NER.

लोको-एनईआर में गोरखपुर में एक इलेक्ट्रिक लोको शेड, गोंडा में एक हाइब्रिड (डीजल+इलेक्ट्रिक) शेड और इज्जतनगर में एक डीजल लोको शेड है। एनईआर के ऊपर 93 इलेक्ट्रिक लोको और 229 बीजी डीजल लोको की पकड़ है।

| SN | Loco Shed | Electric Loco Holding | Diesel Loco Holding |
|---|---|---|---|
| 1 | Izzatnagar | 0 | 113 |
| 2 | Gonda | 93 | 116 |
| | **Total** | **93** | **229** |

**General Services-** The non traction Power Supply is taken from UPPCL, UPCL & BSPHCL and distributed to Railway Stations as well as Staff Colonies. Out of 505 Stations over NE Railway 421 Stations are electrified (418 Stations are grid connected and 03 stations are solar electrified) and rest of the stations are halt/Flag stations.

The 33 KV supply is been availed at Gorakhpur, Gonda Flash Butt Welding Plant, Gonda Colony, Diesel Shed Izzatnagar, Aishbagh (Lucknow) & Manduadih/Varanasi.

सामान्य सेवाएं- नॉन ट्रैक्शन बिजली की आपूर्ति यूपीपीसीएल, यूपीसीएल और बीएसपीएचसीएल से ली जाती है और रेलवे स्टेशनों के साथ-साथ स्टाफ कॉलोनियों में वितरित की जाती है। पूर्वोत्तर रेलवे के 505 स्टेशनों में से 421 स्टेशनों का विद्युतीकरण किया गया है (418 स्टेशन ग्रिड से जुड़े हैं और 03 स्टेशन सौर विद्युतीकृत हैं) और बाकी स्टेशन हॉल्ट/फ्लैग स्टेशन हैं।

गोरखपुर, गोंडा फ्लैश बट वेल्डिंग प्लांट, गोंडा कॉलोनी, डीजल शेड इज्जतनगर, ऐशबाग (लखनऊ) और मंडुआडीह/वाराणसी में 33 केवी की आपूर्ति का लाभ उठाया गया है।